Toppersnotes®
Unleash the topper in you

मध्यप्रदेश

समूह - 2 उपसमूह - 4

संयुक्त भर्ती परीक्षा

भाग - 2

(पटवारी एवं अन्य पद)

मध्यप्रदेश का सामान्य ज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	मध्यप्रदेश का भौगोलिक परिचय	1
2	मध्यप्रदेश के प्राकृतिक भौगोलिक प्रभाग	5
3	मध्यप्रदेश का अपवाह तंत्र	10
4	मध्यप्रदेश में जलवायु, ऋतुएँ और वर्षा	21
5	मध्यप्रदेश की मिट्टी	24
6	मध्यप्रदेश में वन क्षेत्र	27
7	मध्यप्रदेश में वन्य जीव	33
8	मध्यप्रदेश के प्रमुख खनिज संसाधन	37
9	मध्यप्रदेश में ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोत	42
10	मध्यप्रदेश में परिवहन	49
11	मध्यप्रदेश मे कृषि	55
12	मध्यप्रदेश की जनसांख्यिकी	66
13	मध्यप्रदेश : एक जिला एक उत्पाद एवं जीआई टैग	71
14	मध्यप्रदेश मे उद्योग	75
15	मध्यप्रदेश का प्राचीन इतिहास	86
16	मध्य प्रदेश का मध्यकालीन इतिहास	99
17	आधुनिक मध्यप्रदेश का इतिहास	122
18	स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान	135
19	मध्यप्रदेश का गठन और निर्माण	147
20	मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था	150
21	मध्यप्रदेश में स्थानीय स्वशासन	174
22	संवैधानिक और वैधानिक निकाय	181
23	मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विशेषताएँ	187

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	मध्यप्रदेश में जातियाँ और जनजातियाँ	226
25	मध्यप्रदेश में जनजातियों से संबंधित प्रमुख संस्थान, संग्रहालय, प्रकाशन।	238
26	मध्यप्रदेश के जनजातीय व्यक्तित्व	240

1 CHAPTER मध्यप्रदेश का भौगोलिक परिचय

मध्यप्रदेश की भोगौलिक स्थिति एवं विस्तार

- मध्य प्रदेश प्रायद्वीपीय पठारी भारत के उत्तर-मध्य भाग में स्थित है, जिसकी सीमा का वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया जा सकता है
  - ✓ **उत्तर:** गंगा-यमुना का मैदान
  - ✓ **पश्चिम:** अरावली
  - ✓ **पूर्व:** छत्तीसगढ़ का मैदान
  - ✓ **दक्षिण:** ताप्ती घाटी और महाराष्ट्र का पठार।
- **भूवैज्ञानिक संरचना:** मध्य प्रदेश **गोंडवाना लैंड** का हिस्सा है।

क्षेत्र	**3,08,000 किमी²** (भारत के कुल क्षेत्रफल का 9.38%)
अक्षांशीय विस्तार	**21^0 6'N - 26 ^{0}30'N** 605 किमी (उत्तर से दक्षिण)
देशान्तरीय विस्तार	**74^0 9'E - 82 ^{0}48'E** 870 किमी (पूर्व से पश्चिम) चौड़ाई लंबाई से अधिक है
भारतीय मानक मेरिडियन ($82^0$30'ई)	**सिंगरौली जिला** (मध्य प्रदेश में केवल एक जिला)

मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति

- **क्षेत्रफल** के हिसाब से मध्य प्रदेश **दूसरा सबसे बड़ा राज्य है** (9.38%)
  - ✓ राजस्थान (342,239 वर्ग किमी)
  - ✓ मध्य प्रदेश (308,245 वर्ग किमी)
  - ✓ महाराष्ट्र (307,713 वर्ग किमी)
  - ✓ उत्तर प्रदेश (243,286 वर्ग किमी)
  - ✓ गुजरात (196,024 वर्ग किमी)
- **जनसंख्या** के हिसाब से मध्य प्रदेश **5वां सबसे बड़ा राज्य** है।
  - ✓ उत्तर प्रदेश (232.7 मिलियन)
  - ✓ महाराष्ट्र (124.3 मिलियन)
  - ✓ बिहार (104.1 मिलियन)
  - ✓ पश्चिम बंगाल (91.3 मिलियन)
  - ✓ मध्य प्रदेश (72.6 मिलियन)
- **अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ:** मध्य प्रदेश की कोई तटरेखा नहीं है और न ही किसी देश से अंतर्राष्ट्रीय सीमा लगती हैं
- मध्य प्रदेश एक स्थलरुद्ध राज्य है जिसकी सीमाएँ **पाँच राज्यों को स्पर्श करती है:**
  - ✓ उत्तर प्रदेश (1,046 कि.मी) (उतर में)
  - ✓ राजस्थान (1,039 कि.मी) (उत्तर-पश्चिम)
  - ✓ छत्तीसगढ (1,033 कि.मी) (पूर्व)
  - ✓ महाराष्ट्र (725 कि.मी)(दक्षिण)
  - ✓ गुजरात (600 कि.मी) (पश्चिम)
- **प्राकृतिक सीमाएँ:**
  - ✓ **उत्तर:** चम्बल नदी
  - ✓ **दक्षिण:** ताप्ती नदी
  - ✓ **पूर्व:** मैकल और कैमूर की पर्वतमालाएँ
  - ✓ **पश्चिम:** अरावली पर्वत श्रृंखला

मध्यप्रदेश के संभाग

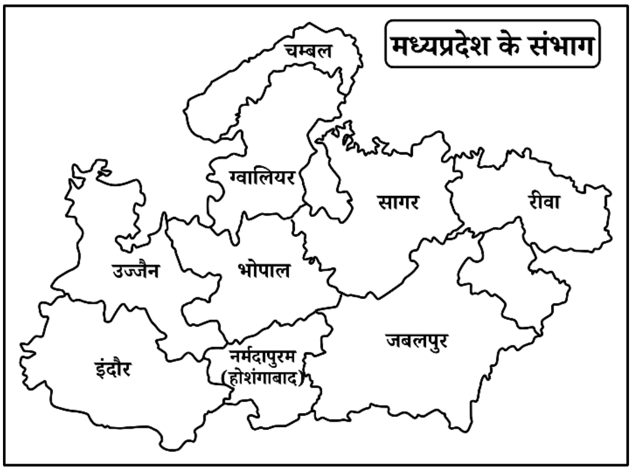

मध्यप्रदेश के जिले

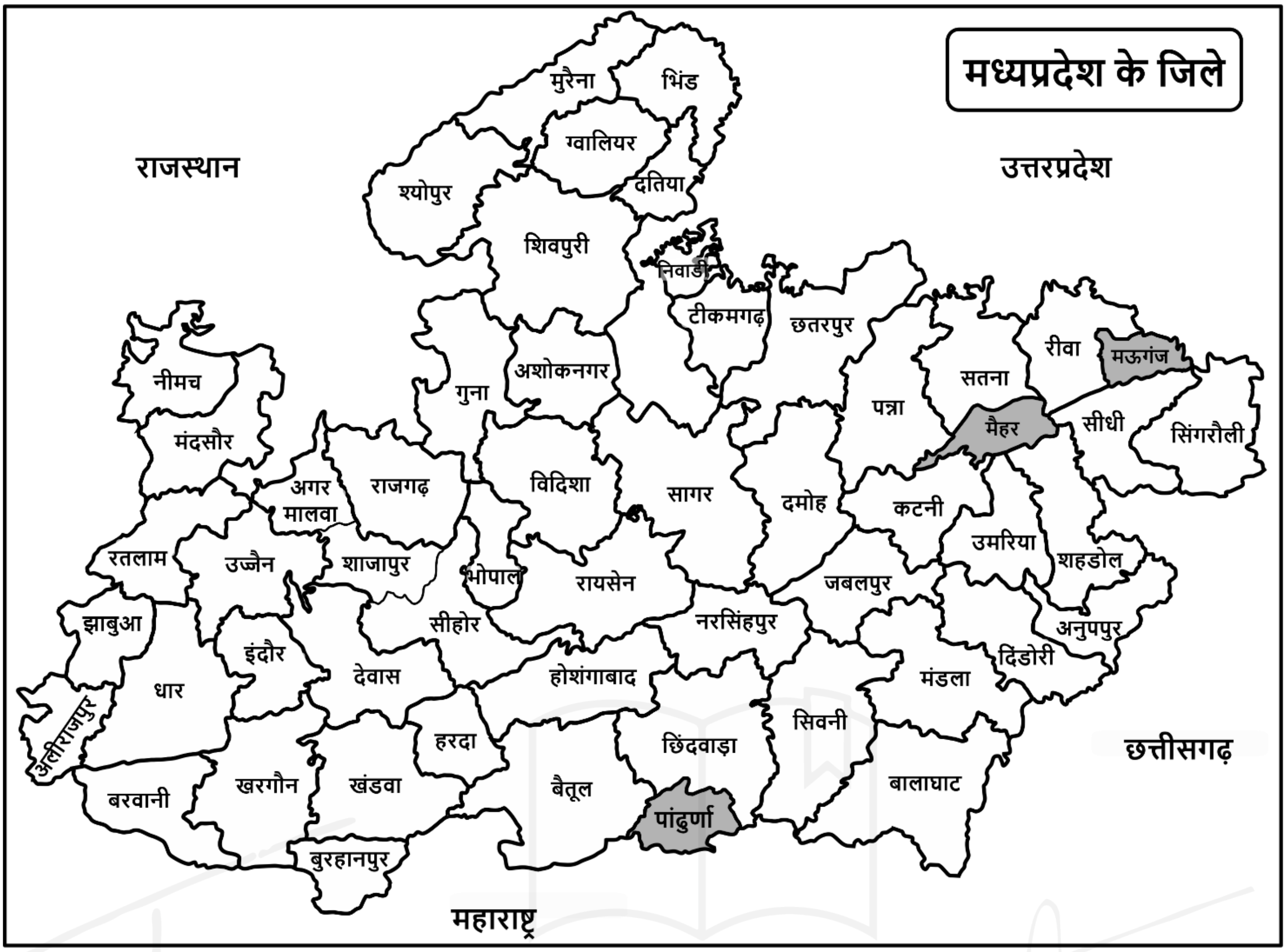

भौगोलिक तथ्य

- **1 नवम्बर 2000** में म.प्र. से 30.47% क्षेत्र (1,35,361 किमी²) अलग करके **छतीसगढ़** नाम से एक नया राज्य बनाया गया
- **भौगोलिक दृष्टि** से, मध्य प्रदेश भारत के **मध्य उच्च भूमि** का **पूर्वी भाग** है।
- **कर्क रेखा** लगभग यहीं से होकर गुजरती है **मध्य प्रदेश के 14 जिलों से** होते हुए:
  - ✓ शहडोल, उमरिया, कटनी, जबलपुर, दमोह, सागर, रायसेन, विदिशा, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, आगर-मालवा, उज्जैन, रतलाम
- **कर्क रेखा** लगभग **नर्मदा नदी** के **समानांतर** है
- राज्य के **पश्चिमी भाग** में **डेक्कन ट्रैप** तथा **पूर्वी भाग** में विंध्य पर्वत शृंखला मौजूद है।
- मध्य प्रदेश की **जलवायु उपोष्णकटिबंधीय** है।

मध्य प्रदेश के पड़ोसी राज्य और जिले

मध्य प्रदेश के सीमावर्ती राज्य	मप्र के जिले जो अन्य राज्यों के साथ सीमा बनाते हैं	सीमावर्ती राज्यों के जिले जो मप्र के साथ सीमा बनाते हैं
उत्तर प्रदेश	**14 जिले** मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सिंगरौली, मऊगंज	**12 जिले** आगरा, इटावा, झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, बांदा, जालौन, प्रयागराज (इलाहाबाद), मिर्जापुर, महोबा, सोनभद्र, चित्रकूट

राजस्थान	**10 जिले** झाबुआ,रतलाम, मंदसौर, नीमच, अगर-मालवा, राजगढ़, गुना, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना	**10 जिले** बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, कोटा, झालावाड़, बारां, सवाई- माधोपुर, करौली, धौलपुर
महाराष्ट्र	**9 जिले** अलीराजपुर, बड़वानी , खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा , सिवनी , बालाघाट।	**8 जिले** धुले, अमरावती, नागपुर, भंडारा, बुलढाणा, जलगांव, नंदुरबार, गोंदिया
छत्तीसगढ़	**7 जिले** सीधी, सिंगरौली , शहडोल , मंडला , अनूपपुर , डिंडोरी, बालाघाट ।	**7 जिले** सूरजपुर , कोरिया , मुंगेली , बिलासपुर, कबीरधाम (कवर्धा), बलरामपुर , राजनांदगांव
गुजरात	**2 जिले** झाबुआ और अलीराजपुर	**2 जिले** छोटा उदयपुर और दाहोद

- मध्यप्रदेश की सीमा 5 राज्यों से लगती है -राजस्थान गुजरात उत्तर प्रदेश छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र।
- मध्य प्रदेश की **अधिकतम सीमा उत्तर प्रदेश** से लगती है (14 जिले)
- **न्यूनतम सीमा गुजरात** के साथ लगती है (2 जिले)
- मप्र के वह जिले जो अधिकतम अंतरराज्यीय सीमा साझा करते है: सिंगरौली, झाबुआ, बालाघाट, मुरैना, शिवपुरी, अलीराजपुर
- मध्य प्रदेश का रीवा 80° पूर्वी देशांतर पर या उसके निकट है।
- एकमात्र जिला जो अपने दो विपरीत सीमाओं को दो राज्यों से साझा करता है : **शिवपुरी** (पूर्व में यूपी और पश्चिम में राजस्थान)।
- एकमात्र ऐसा जिला जिसकी सीमा छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से लगती है: **सिंगरौली**
- एकमात्र जिला जिसकी सीमा छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से लगती है: **बालाघाट**
- एकमात्र जिला जिसकी सीमा गुजरात और महाराष्ट्र से लगती है: **अलीराजपुर**
- एकमात्र जिला जिसकी सीमा गुजरात और राजस्थान से लगती है: झाबुआ
- मप्र का सबसे बड़ा पड़ोसी राज्य: **राजस्थान**
- जनसंख्या की दृष्टि से मप्र का सबसे बड़ा पड़ोसी राज्य: **उत्तर प्रदेश**

मध्य प्रदेश में स्थित महत्वपूर्ण बिंदु	
पृथ्वी का केंद्र	मंगलनाथ मंदिर (उज्जैन)
भारत का केंद्र	करौंदी (कटनी)

वर्तमान भारत का केंद्र	**विदिशा**
मध्य प्रदेश का केंद्र	सागर
मप्र के पूर्व और पश्चिम सीमा के बीच समय अंतराल	34 मिनट
उन जिलों की संख्या जिनसे होकर **कर्क रेखा** गुजरती है	14
मप्र का एकमात्र जिला जहां से **G.M.T. लाइन** गुजरती है	सिंगरौली
मप्र का **पहला सनराइज प्वाइंट**	सिंगरौली
मप्र का **आखिरी सनसेट प्वाइंट**	अलीराजपुर
मप्र का **निकटतम देश**	नेपाल
मप्र के **सबसे नजदीक समुद्र**	अरब सागर

मध्य प्रदेश एक नजर में	
गठन	1 नवम्बर 1956
राजधानी	भोपाल
जनसंख्या	7,26,26,809
क्षेत्रफल	3,08,000 वर्ग. किमी.
राज्य का जनसंख्या घनत्व	236 व्यक्ति प्रति वर्ग. किमी.
कुल जिले	55
संभागों की संख्या	10
कुल ब्लॉक	313
राज्य की सबसे बड़ी तहसील (क्षेत्रफल)	इंदौर
राज्य की सबसे छोटी तहसील (क्षेत्रफल)	अजयगढ़ (पन्ना)
नगर पालिका	99

Unleash the topper in you

नगर परिषद	294
कुल ग्राम	54903
जिला पंचायत	52
आदिवासी विकास खंड	89
राज्य का अन्य नाम	मध्य प्रांत और बरार प्रांत, हृदय प्रदेश, सोया राज्य, बाघ राज्य, तेंदुआ राज्य
उच्च न्यायालय	जबलपुर (बेंच - इंदौर, ग्वालियर)
राज्य में प्रथम	
प्रथम राज्यपाल	डॉ. पट्टाभि सीतारमैया
प्रथम महिला राज्यपाल	सुश्री सरला ग्रेवाल
प्रथम मुख्यमंत्री	पंडित रविशंकर शुक्ल
प्रथम महिला मुख्यमंत्री	सुश्री उमा भारती
विधान सभा के प्रथम अध्यक्ष	पंडित कुंजीलाल दुबे
विधान सभा के प्रथम उपाध्यक्ष	विष्णु विनायक सरवटे
प्रथम विपक्ष के नेता	श्विष्णुनाथ यादवराव तामस्कर
उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश	मोहम्मद हिदायतुल्लाह
प्रथम मुख्य सचिव	एच.एस. कामथ
प्रथम चुनाव आयुक्त	एन.बी. लोहानी
प्रथम लोकायुक्त	पी.वी. दीक्षित
प्रथम राज्य सूचना आयुक्त	टी.एन. श्रीवास्तव
प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष	डॉ. सवाई सिंह सिसोदिया

चिन्ह	**विवरण**
राज्य पशु	बारहसिंगा (Barasingha)
राज्य पुष्प	सफेद लिली (White Lily)
राज्य पक्षी	दूधराज (एशियन पैराडाइज़ फ्लाईकैचर) (Asian Paradise Flycatcher)
राज्य वृक्ष	बरगद (Banyan Tree)
राज्य खेल	मलखम्ब (Malkhamb) - 2011
राज्य नृत्य	राई (Rai)
राज्य चिह्न	गेहूँ और धान की बालियां, बरगद का पेड़, सिंह शीर्ष
राज्य नदी	नर्मदा (Narmada)
राजकीय रंगमंच	माच (Mach)
आधिकारिक गान	मेरा मध्यप्रदेश है (संगीतकार - महेश श्रीवास्तव)
राज्य मछली	महशीर (Mahseer)-2013
राज्य फल	आम (Mango)
राज्य फसल	सोयाबीन (Soybean)

मध्यप्रदेश की प्रमुख राजधानी

जिले	**उपनाम**
भोपाल	प्रशासनिक राजधानी
इंदौर	वित्त एवं व्यापारिक राजधानी
जबलपुर	सांस्कृतिक राजधानी
सिंगरौली	ऊर्जा राजधानी
बालाघाट	मैंगनीज राजधानी
उज्जैन	धार्मिक राजधानी
मैहर	संगीत राजधानी

Unleash the topper in you

2 CHAPTER मध्यप्रदेश के प्राकृतिक भौगोलिक प्रभाग

मध्यप्रदेश का भूविज्ञान

- मध्य प्रदेश में **आर्कियन युग से लेकर क्वाटरनरी काल** तक की चट्टानें पाई जाती हैं।
- मध्य प्रदेश की चट्टानी प्रणाली को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

1. आर्कियन चट्टानें

- ✓ ये **सबसे पुरानी प्राथमिक चट्टानें** होती हैं
- ✓ इनका निर्माण मैग्मा के ठंडा होने और जमने से होता है।
- ✓ प्री-कैम्ब्रियन चट्टानें और पुराण चट्टानें भी कहा जाता है।
- ✓ ये मध्य प्रदेश के उत्तर, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भाग जैसे बुन्देलखण्ड और विंध्य पर्वतमाला में पायी जाती हैं।
- ✓ ग्रेनाइट, शिस्ट और नीस यहाँ पाए जाने वाले कुछ खनिज हैं।
- ✓ इनमें किसी प्रकार के जीवाश्म नहीं पाए है ।

2. धारवाड़ चट्टानें

- ✓ भारत की **सबसे पुरानी रूपांतरित चट्टानें** हैं।
- ✓ ये आर्कियन चट्टानों से प्राप्त तलछट के परिवर्तन के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई हैं
- ✓ इसमें जीवाश्मों की कमी है।
- ✓ इसमें स्लेट, शिस्ट, नीस, ग्रेनाइट आदि कुछ खनिज पाए जाते हैं।
- ✓ मध्य प्रदेश में यह शृंखला में पाई जाती है

a) **चिल्पी श्रृंखला (बालाघाट):** खनिज : फाइलाइट, क्वार्टजाइट, ग्रीनस्टोन

b) **सौंसर श्रृंखला (छिंदवाड़ा):** खनिज: अभ्रक, संगमरमर, मैंगनीज

c) **साकोली श्रृंखला (जबलपुर):** खनिज: अभ्रक, डोलोमाइट

d) **क्लोजपेट श्रृंखला (बालाघाट और छिंदवाड़ा):** खनिज: फाइलाइट, क्वार्टजाइट, कॉपर पाइराइट।

3. कुडप्पा चट्टानें

- ✓ जब तलछटी चट्टानें और मिट्टी अपक्षय और कटाव के माध्यम से बनती हैं जो **सिंक्लिनल सिलवटों** (दो पहाड़ों के बीच) में जमा होती हैं।
- ✓ कुडप्पा और विन्ध्यन चट्टान प्रणालियों को एक साथ पुराण चट्टान प्रणाली के रूप में जाना जाता है।
- ✓ मध्य प्रदेश की आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण चट्टानें क्योंकि यह लौह, मैंगनीज, तांबा आदि खनिजों से बनी हैं।
- ✓ मध्य प्रदेश में चट्टानों की निम्न श्रृंखला में पाई गई है

a) बिजावर श्रृंखला

- **खनिज:** बलुआ पत्थर, चूना पत्थर आदि
- इस चट्टान की परतों के बीच पाई जाने वाली बेसाल्ट चट्टानों में हीरा पाया जाता है।
- यह पन्ना और छतरपुर में पायी जाती है

b) ग्वालियर श्रृंखला

- **खनिज:** बलुआ पत्थर, शेल बेसाल्ट लावा।

4. विंध्य चट्टानें

- ✓ कुडप्पा चट्टानों के बाद नदी घाटियों और उथले महासागरों के गाद जमाव से निर्मित।
- ✓ यह उत्तर भारत के मैदानी इलाकों और प्रायद्वीपीय भाग के बीच एक विभाजन रेखा के रूप में कार्य करता है।
- ✓ इस श्रेणी की **सबसे ऊँची चोटी सद्भावना शिखर** (752 मी.) है।
- ✓ यह आम तौर पर पन्ना और ग्वालियर में पायी जाती है।
- ✓ **खनिज:** चूना पत्थर, बलुआ पत्थर, शेल।
- ✓ ये लाल रंग के होते हैं और ऐतिहासिक स्मारकों (सांची, बरहुत स्तूप, लाल किला) के निर्माण में उपयोग किए जाते हैं।
- ✓ इसे **निम्न विंध्यन चट्टानों** और उच्च **विंध्यन चट्टानों** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

A. निम्न **विंध्य चट्टानें**

a) अर्ध शृंखला (उत्तर-पूर्व क्षेत्र)

- यह सोन नदी घाटी में स्थित है ।
- इसमें गुम्बदनुमा घाटियाँ पाई जाती हैं।
- खनिज: बलुआ पत्थर, चूना पत्थर।

Unleash the topper in you

B. उच्च **विंध्य चट्टानें**

a) कैमूर श्रृंखला

- खनिज: बलुआ पत्थर, शेल
- यह पन्ना, सतना और रीवा जिलों में पायी जाती है।
- यह यमुना और सोन के बीच जल विभाजक के रूप में कार्य करती है

b) भांडेर श्रृंखला

- **खनिज:** बलुआ पत्थर, चूना पत्थर
- **यह सागर, सतना और दमोह जिले** में पायी जाती है ।

c) रीवा सीरीज

- **खनिज:** बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, हीरा
- यह सागर, दमोह जिले में पायी जाती है ।

5. <u>गोंडवाना चट्टानें</u>

✓ यह कार्बोनिफेरस और जुरासिक काल के बीच निर्मित हैं।

✓ पर्मो-कार्बोनिफेरस समय में जमा हुई जलीय चट्टानों का एक अनूठा अनुक्रम बनाती है ।

✓ इसे हम निम्न गोंडवाना चट्टानों और उच्च गोंडवाना चट्टानों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

A. निम्न गोंडवाना चट्टानें

a) तालचेर श्रृंखला

- यहाँ **कोयले का सबसे बड़ा भंडार** है
- **खनिज:** कोयला
- यह सीधी, सीधी और शहडोल जिलों में पायी जाती है ।

B. उच्च गोंडवाना चट्टानें

a) महादेव श्रृंखला

- इसमें **कोयले का भण्डार प्रचुर मात्रा** में पाए जाते है।
- यह सीधी जिले में पायी जाती है ।

b) जबलपुर श्रृंखला

- यहां **जुरासिक काल के अवशेष** मिलते हैं
- खनिज: चूना पत्थर, बलुआ पत्थर
- यह सीधी, शहडोल जिले में पायी जाती है ।

6. <u>क्वाटरनेरी चट्टानें</u>

✓ यह नदियों के तलछटी निक्षेपों से निर्मित है ।

✓ यह नर्मदा, ताप्ती नदी की घाटी में पायी जाती है ।

✓ यहां धजरी, सिगार पर्वत श्रृंखला स्थित है।

मध्यप्रदेश का भौगोलिक विभाग

➢ अविभाजित मध्य प्रदेश में 9 फिजियोग्राफिक डिविजन थे, जबकि अब तक, मध्य प्रदेश में 3 भौगोलिक संभाग हैं।

➢ मध्य प्रदेश के सात प्राकृतिक विभाजन हैं

1. केन्द्रीय उच्च भूमि

a) मध्य भारत का पठार
b) रीवा-पन्ना पठार
c) नर्मदा-सोन घाटी
d) बुन्देलखण्ड पठार
e) मालवा का पठार

2. सतपुड़ा मैकाल श्रेणी

3. बघेलखंड पठार

Unleash the topper in you

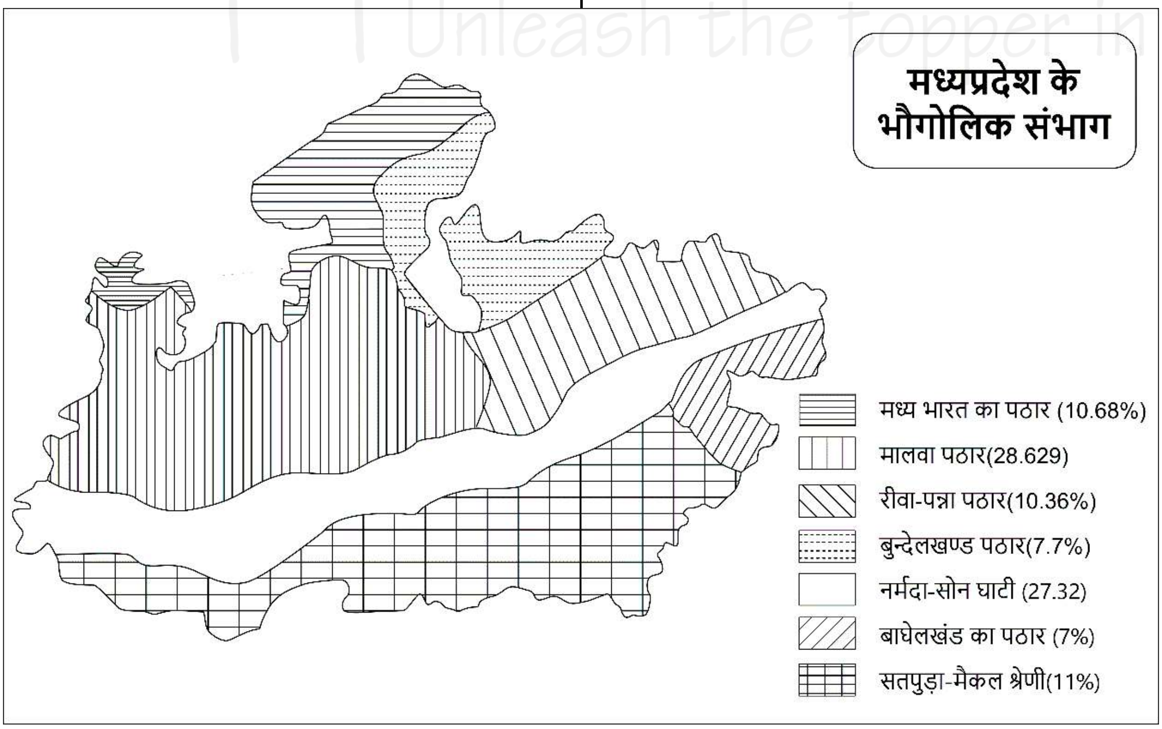

1. केन्द्रीय उच्च भूमि

- ✓ **स्थान:** नर्मदा-सोन घाटी और अरावली के बीच।
- ✓ यह आर्कियन, धारवाड़ और दक्कन ट्रैप की चट्टानों से निर्मित है ।
- ✓ उत्तरी सीमा का निर्माण यमुना नदी द्वारा किया गया है।
- ✓ यह मध्य प्रदेश के संपूर्ण क्षेत्रफल के लगभग 2/3 भाग में फैला हुआ है

a) मध्य भारत का पठार

- **स्थान:** मध्य प्रदेश का उत्तर पश्चिमी क्षेत्र।
- **कुल क्षेत्रफल :** 32896 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 10.6%] 20°10'-26.48°N, 74.5-79.1°E को कवर करता है
- **जिले:** ग्वालियर, भिंड, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, मंदसौर , नीमच
- **नदियाँ:** चंबल, सिंध, पार्वती, कुवारी
- **फसलें**: गेहूं, ज्वार, अलसी, तिल, सरसों (अधिकतम)
- इसके अनेक भाग पहाड़ी एवं लहरदार हैं।
- यहाँ मिट्टी मुख्य रूप से जलोढ़ है।
- मध्य भारत क्षेत्र के पठार में कम वर्षा होती है तथा इस क्षेत्र में भिंड जिले में ही सबसे कम वर्षा (55 से.मी.) होती है।
- चम्बल घाटी इसी भौगोलिक मंडल में स्थित है
- इस क्षेत्र में बबूल, खैर और शीशम के उपोष्ण कटिबंधीय जंगल हैं।
- यहां सहरिया जनजाति पाई जाती है।

b) बुन्देलखण्ड पठार

- **स्थान:** रीवा-पन्ना पठार के उत्तर पश्चिम में स्थित
- **कुल क्षेत्रफल:** 23733 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 7.71%]।
- **जिले:** टीकमगढ़, दतिया, छतरपुर और शिवपुरी, ग्वालियर और भिंड की कुछ तहसीलें
- **नदिया:** बेतवा, सिंध, केन, धसान
- **मिट्टी:** इस क्षेत्र में मिश्रित मिट्टी अधिक प्रचलित है।
- **फसलें:** गेहूं, ज्वार, तिल
- बुन्देलखण्ड की सबसे ऊँची चोटी - **सिद्ध बाबा चोटी [1172 मीटर]**
- बुन्देलखण्ड का पठार ग्रेनाइट और नीस की चट्टानों से बना है।
- इसकी जलवायु महाद्वीपीय है और वर्षा 75-100 सेमी के बीच होती है।
- खजुराहो इसी क्षेत्र में स्थित है।
- यहां रॉक फॉस्फेट पाया जाता है।

c) मालवा का पठार

- **स्थान**: मध्य प्रदेश का संपूर्ण पश्चिमी क्षेत्र।
- **कुल क्षेत्रफल** 85322 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 28%] है।
- **जिले:** इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रतलाम, रायसेन
- **नदियाँ**: नर्मदा, सोन
- **मिट्टी**: यह काली लेटराइट मिट्टी वाला डेक्कन ट्रैप का क्षेत्र है।
- **फसलें:** गेहूं, ज्वार, तिल
- इस पठार का निर्माण दक्कन ट्रैप की चट्टानों से हुआ है।
- इंदौर की सूती मिलें, नागदा की कृत्रिम रेशम और विजयपुर की उर्वरक मिलें प्रसिद्ध हैं।।
- मालवा पठार की **सबसे ऊँची चोटी सिगार** है [881 मीटर]
- **जलवायु**: उष्णकटिबंधीय मानसूनी प्रकार जिसमें औसत वर्षा लगभग 120-130 सेमी होती है।
- यह मध्य प्रदेश के सर्वाधिक समृद्ध क्षेत्रों में से एक है।

d) नर्मदा-सोन घाटी

- **स्थान:** यह मालवा पठार और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच स्थित है
- **कुल क्षेत्रफल** 86000 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 27.9%] है।
- **जिले:** जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, रायसेन, खंडवा, धार और देवास ।
- **नदियाँ:** बेतवा, चंबल, गंभीर, कालीसिंध, शिप्रा
- **मिट्टी**: इस क्षेत्र में गहरी काली मिट्टी पाई जाती है।
- **फसलें:** गेहूं, ज्वार, कपास।
- यह क्षेत्र उत्तर-पूर्व से पश्चिम तक फैली हुई नर्मदा और सोन नदियों द्वारा सिंचित है।
- **जलवायु**: यहाँ विशिष्ट मानसून-प्रकार की जलवायु प्रचलित है, और औसत वर्षा लगभग 125 सेमी है।
- सोन घाटी में साल के पेड़ भी पाए जाते हैं।

e) रीवा-पन्ना पठार

- **स्थान:** यह मालवा पठार और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच स्थित है
- **कुल क्षेत्रफल** 31954 वर्ग कि.मी. [मध्य प्रदेश का 10.36%] है
- **जिले:** इस क्षेत्र में दमोह, सतना, रीवा, पन्ना और सागर शामिल हैं।
- **नदियाँ:** टोंस, केन और सोन
- **मिट्टी:** इस क्षेत्र में लेटराइट मिट्टी प्रमुख है।
- **जलवायु:** महाद्वीपीय प्रकार और वर्षा लगभग 125 सेमी है
- **फसलें:** गेहूं, ज्वार और तिलहन।
- यहाँ मझगांव और राम खेड़िया में हीरे पाए जाते हैं।
- यहाँ सीमेंट उद्योग सतना, रीवा और कटनी में भी है।

2. सतपुड़ा -मैकाल श्रेणी

✓ **स्थान:** यह गुजरात से पूर्व की ओर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमाओं से होते हुए पूर्व में छत्तीसगढ़ तक निकलती है।
✓ **कुल क्षेत्रफल** 34000 वर्ग किमी [मध्य प्रदेश का 11%] है
✓ **जिले:** बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल, खंडवा और खरगोन
✓ **नदी:** तापी
✓ **मिट्टी:** इस क्षेत्र में गहरी काली मिट्टी पाई जाती है।
✓ **प्रमुख फसल:** गेहूं, चावल और कपास के साथ ज्वार।
✓ यहाँ पाई जाने वाली श्रेणियाँ: राजपीपला, सतपुड़ा और मैकाल है।
✓ वर्षा 125 से 175 सेमी के बीच होती है और जलवायु मानसून-प्रकार की होती है।
✓ यह क्षेत्र खनिजों से समृद्ध है।
✓ इसमें मध्य प्रदेश की सबसे ऊंची धूपगढ़ (1350 मीटर) चोटी है –

3. बघेलखंड पठार

✓ **स्थान:** बाघेलखंड पठार मध्य प्रदेश के उत्तर-पूर्व में दक्षिणी प्रायद्वीपीय पठार के पूर्वी भाग के रूप में स्थित है
✓ बाघेलखंड पठार के उत्तर में उत्तर प्रदेश, पूर्व में बिहार और दक्षिण-पूर्व में छत्तीसगढ़ राज्य है और दक्षिण में सोन नदी इसकी सीमा बनाती है।
✓ **नदी:** सोन नदी
✓ **मिट्टी:** लाल-पीली मिट्टी
✓ जलवायु मानसून प्रकार की है और वर्षा 125 से 175 सेंटीमीटर के बीच होती है।
✓ प्रमुख फसल: ज्वार
✓ **जिले:** इस क्षेत्र में शहडोल, उमरिया, सीधी, सिंगरौली और डिंडोरी शामिल हैं।
✓ यह गोंडवाना और विंध्यन चट्टान समूहों से बना है।
✓ यहां औसतन 125 सेमी वर्षा होती है
✓ मध्य प्रदेश की ऊर्जा राजधानी सिंगरौली इसी क्षेत्र में स्थित है और यह क्षेत्र कोयले से समृद्ध है।
✓ **कर्क रेखा इस पठार के मध्य से होकर गुजरती है।**

मध्यप्रदेश के पहाड़

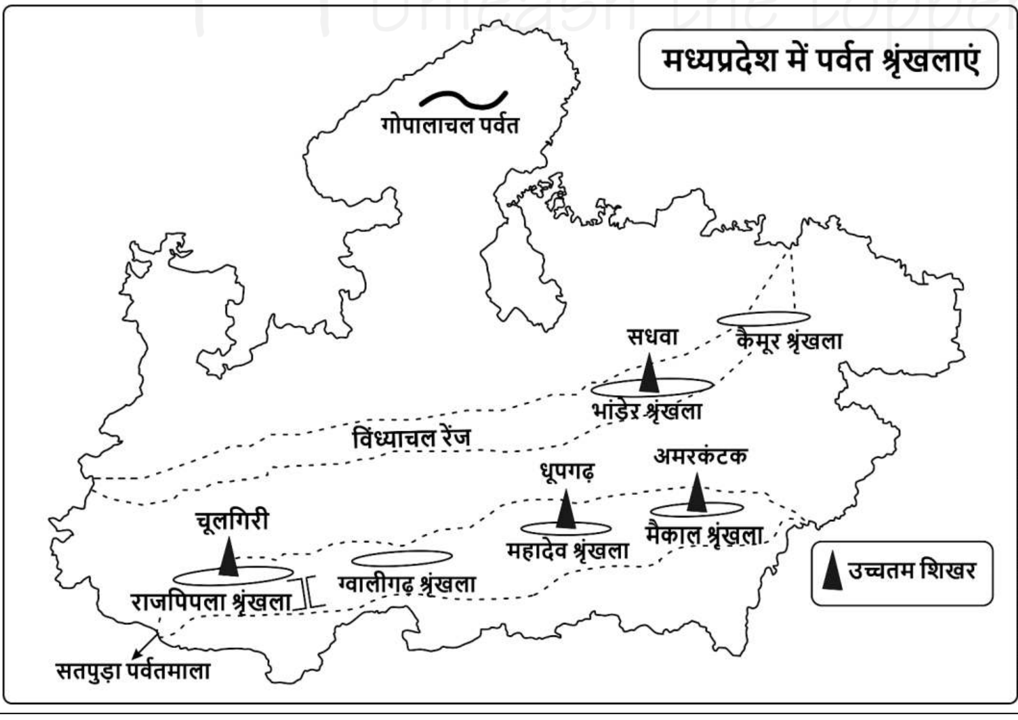

सतपुड़ा पर्वत पर्वतमाला

- मध्य प्रदेश राज्य, महाराष्ट्र राज्य, छत्तीसगढ़ राज्य और गुजरात राज्य में स्थित है।
- कई नदियों के कारण इसे अक्सर जलग्रहण क्षेत्र कहा जाता है।
- **विस्तार:** इसका विस्तार पश्चिम में राजपीपला पर्वत से पूर्व में मैकाल पर्वत तक हैं।
- यह नर्मदा और ताप्ती के बीच जल विभाजन का कार्य करती है ।
  - ✓ सतपुड़ा क्षेत्र में पश्चिम से पूर्व बड़वानी, महादेव, मैकाल तक पर्वतमालाओं का स्थान है
- **पहाड़ियाँ:** बड़वानी पहाड़ी (641 मीटर), कालीभीत चोटी (770 मीटर), बिजलगढ़ पहाड़ी (849 मीटर), पचमढ़ी (1067 मीटर)
  - ✓ धूपगढ़ (1350 मीटर) स्थित है होशंगाबाद ।
  - ✓ पचमढ़ी (1067 मीटर) पहाड़ी को **"सतपुड़ा की रानी"** भी कहा जाता है ।
- इस श्रेणी को तीन भागों में विभाजित किया गया है

a) पश्चिमी सतपुड़ा पर्वतमाला

- ✓ गुजरात - मध्य प्रदेश सीमा से लेकर बुरहानपुर तक फैला हुआ है
- ✓ **पहाड़ियाँ:** राजपीपला, बड़वानी, बीजागढ़। अखरानी, असीरगढ़
- ✓ यहीं से ताप्ती नदी का उद्गम होता है।
- ✓ इस श्रेणी की चट्टानें आग्नेय चट्टानों का हिस्सा हैं।

b) पूर्वी सतपुड़ा पर्वतमाला

- ✓ यह बुरहानपुर के पूर्व में स्थित है
- ✓ इसके दक्षिण में महादेव पहाड़ियाँ स्थित हैं।

c) मैकाल पर्वतमाला

- ✓ यह मध्य प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है
- ✓ यह आकार में गोलाकार है
- ✓ सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला की दूसरी सबसे ऊंची चोटी अमरकंटक (1064 मीटर) यहीं स्थित है।
- ✓ मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी स्थित है

विंध्याचल पर्वतमाला

- यह क्वार्टजाइट द्वारा निर्मित है
- नर्मदा के उत्तर में स्थित है (पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है)।
- यह मध्य प्रदेश की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला है।
- इसके पूर्वी विस्तार को कैमूर एवं भांडेर कहा जाता है।
- यहीं से बेतवा नदी निकलती है।
- विंध्याचल की सबसे ऊंची चोटी : जानापाव पहाड़ी (854 मीटर) जो कि महू, इंदौर जिले में स्थित है।

याद रखें -

- मध्यप्रदेश का सर्वोच्च शिखर - धूपगढ़ (1350 मी)
- सतपुड़ा का सर्वोच्च शिखर - धूपगढ़ (महादेव शृंखला मे अवस्थित)
- मध्यप्रदेश मे मैकाल श्रेणी का सर्वोच्च शिखर - अमरकंटक (1067 मी)
- राजपीपला श्रेणी का सर्वोच्च शिखर - चूलगिरी (1215 मी)
- बुंदेलखंड पठार का सर्वोच्च शिखर - सिद्धबाबा (1172 मी)
- मालवा पठार का सर्वोच्च शिखर - सिगार (881 मी)
- विंध्याचल पर्वत का सर्वोच्च शिखर - सद्भावना (गुडविल - 752 मी)
- मध्यभारत पठार या ग्वालियर -चंबल पठार का सर्वोच्च शिखर - टोंगटा (430 मी) - श्योपुर
- नर्मदा सोन घाटी को कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता हैं।
- बघेलखंड पठार - मध्यप्रदेश का सबसे छोटा पठार कहा जाता हैं।
- मालवा का पठार - मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा पठार हैं ।
- मालवा के पठार को गेंहू की टोकरी कहा जाता हैं ।
- मालवा के पठार, माही नदी, बघेलखंड के पठार को कर्क रेखा दो बराबर भागों मे काटती हैं ।

3 CHAPTER मध्यप्रदेश का अपवाह तंत्र

मध्यप्रदेश में अपवाह तंत्र

- मध्य प्रदेश में जल निकासी प्रणाली को मुख्यतः 6 प्रणालियों में विभाजित किया गया है।
- **गंगा अपवाह तंत्र को** तीन उप प्रणालियों में विभाजित किया गया है।
  - ✓ **यमुना:** मुख्य नदियों में चंबल, सिंध, जामनी, बेतवा, धसाना, केन, पेसुनी, बैथन आदि शामिल हैं।
  - ✓ **टोंस:** मुख्य नदियों में बीहड़ , महान आदि शामिल हैं।
  - ✓ **सोन:** मुख्य नदियों में जोहिला, बालम्स, रिहंद, कनहर आदि शामिल हैं।
- **नर्मदा अपवाह तंत्र**
- **ताप्ती अपवाह तंत्र**
  - ✓ मुख्य नदियों में पूर्णा, गिरना, गोपद, अंबोरा, बाकी, बुरई, तितुर, उतावली और कालीभीत शामिल हैं।
- **गोदावरी अपवाह तंत्र**
  - ✓ इसमें पाँच उपप्रणालियाँ हैं, वेनगंगा, बावनथडी, कन्हान और पेंच।
- **माही अपवाह तंत्र**
- **महानदी अपवाह तंत्र**

मध्यप्रदेश की नदियाँ

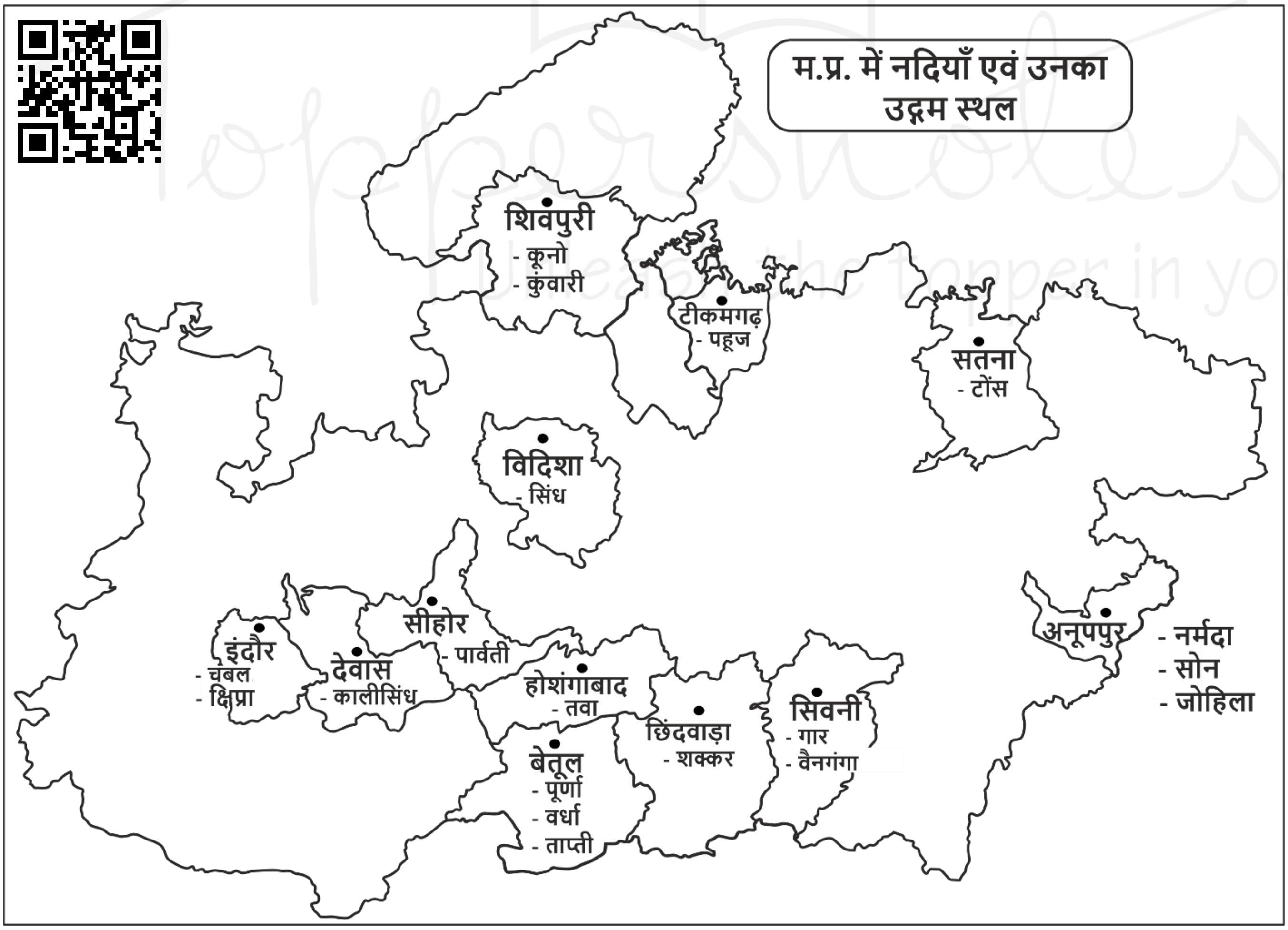

नदियों से जुड़े महत्वपूर्ण फ़ैक्ट	
विश्व मे सबसे ज्यादा नदी	भारत
भारत मे सबसे ज्यादा नदी	मध्य प्रदेश (नदियों का मायका)
मध्यप्रदेश की गंगा (पवित्रता)	नर्मदा
मध्यप्रदेश की गंगा (प्रदूषण)	बेतवा
मालवा की गंगा	क्षिप्रा
दक्षिण मध्यप्रदेश की गंगा	वेन गंगा
सर्वाधिक प्रदूषित नदी	खान नदी
सर्वाधिक स्वच्छ नदी	चम्बल
मध्यप्रदेश का शोक	चम्बल नदी
खुशियों की नदी	नर्मदा नदी
सबसे सुंदर नदी	केन नदी
आदिवासी गंगा	माही नदी

नर्मदा नदी

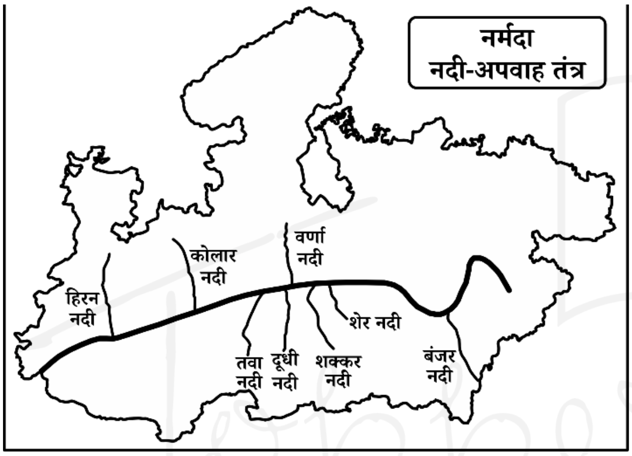

लंबाई

- कुल लंबाई 1312 किमी
- मध्य प्रदेश में लंबाई 1077 किमी
- नदी का कुल बेसिन क्षेत्र 97,410 वर्ग किलोमीटर है जिसमें मध्य प्रदेश में 85,858 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र में 1658 वर्ग किलोमीटर और गुजरात में 9894 वर्ग किलोमीटर शामिल है।
- जलग्रहण क्षेत्र 98796 वर्ग किमी है

उद्गम/समाप्ति स्थल

- अमरकंटक अनूपपुर जिला मैकल पहाड़ियों में स्थित है
- 16 जिलों शहडोल, मंडला, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, रायसेन, होशंगाबाद, हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी से होकर बहती है।

नोट : नर्मदा नदी सिवनी जिले के घंसौर तहसील के पीपरटोला गाँव से बहती हैं ।

- खंभात की खाड़ी अरब सागर में गिरती है

सहायक नदियाँ - कुल 41

- **बाएँ तरफ से (22):** बरनार, बंजार, शेर, शक्कर, दूधी, तवा, गजल, डोटी तवा, कुंडी, देव और गोई।
- **दाएं तरफ से (119):** हिरन, टिंडोनी, बरना, चंद्रकेशर, कनार, मान, हथनी ।
- **तवा** नर्मदा की सबसे लंबी सहायक नदी है

महवपूर्ण तथ्य

- यह मध्य प्रदेश की सबसे लंबी नदी हैं
- भारत में पांचवां सबसे लम्बी नदी हैं
- अन्य नाम नामादोस [टॉलेमी द्वारा], रेवा, पुरुकुस्ट, मेकलसुता, सोमो देवी आदि हैं।
- प्रमुख झरनों में कपिलधारा, दूध धारा धुआंधार, मंधार, दर्दी सहस्त्रधारा आदि शामिल हैं।
- **तट पर प्रमुख शहर:** अमरकंटक, जबलपुर, होशंगाबाद, बड़वाह, महेश्वर, ओंकारेश्वर, निमाड़, बड़वानी, मंडला, मंडलेश्वर, कसरावद, नेमावर, पुनासा।
- **प्रमुख परियोजनाएँ:** रानी अवंतीबाई सागर बरगी परियोजना इंदिरा गांधी नर्मदा सागर [पुनासा बांध]
- सरदार सरोवर नर्मदा पर बने बांध हैं। (मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान)
- जीवित इकाई का दर्जा प्राप्त करने वाली पहली नदी।
- **यह** विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं के बीच भ्रंश घाटी में बहती है।
- कर्क रेखा के समानांतर बहती है

चम्बल नदी

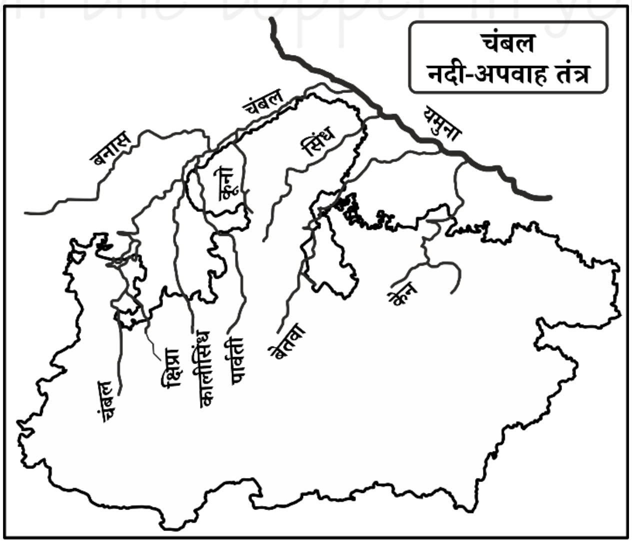

- कुल लंबाई किमी - 965 किमी (325 किमी मध्यप्रदेश मे)
- इसका उद्गम महू [इंदौर जिला] के पास जानापाव (881 मीटर ऊंचाई) पहाड़ियों से होता है।

- **जिले:** धार, उज्जैन, रतलाम, इंदौर, श्योपुर , मुरैना, भिंड
- **शहर:** धार, श्योपुर, महू, रतलाम, मुरैना
- यह इटावा [यूपी] के निकट यमुना नदी में गिरती है।
- सहायक नदी - शिप्रा, कालीसिंध, पार्वती, बनास
- **महत्वपूर्ण बिन्दु :**
  - ✓ यह मध्य प्रदेश की दूसरी सबसे लंबी नदी हैं
  - ✓ प्राचीन नाम: धर्मावती/ चर्मावती/ पूर्णा/ कामधेनु।
  - ✓ यह राजस्थान के साथ मध्य प्रदेश की उत्तरी सीमा को चिह्नित करता है
  - ✓ प्रमुख बांध: गांधी सागर नीमच (प्रथम जल विद्युत मध्य प्रदेश) राणा प्रताप सागर चित्तौड़गढ़ जवाहर सागर कोटा।
  - ✓ **जलप्रपात:** झाड़ी दहा, पातालपानी (इंदौर), भैंसरोडगढ़ (कोटा)
  - ✓ यह कोई भ्रंश घाटी नहीं है.
  - ✓ भिंड, मुरैना में बीहड़ बनाता है
  - ✓ यह अखरानी और मथवार पहाड़ियों के बीच एक गहरी खाई का निर्माण करती है।

बेतवा नदी

लंबाई	उत्पत्ति/अंत	सहायक नदियाँ	तथ्य
➢ उद्गम से लेकर यमुना में संगम तक नदी की कुल लंबाई 480 किलोमीटर है। ➢ मध्य प्रदेश में लंबाई: 232 किमी	➢ यह रायसेन जिले के कुमरा गांव से निकलती है। ➢ तट पर स्थित शहर: विदिशा, ओरछा, सांची, गुना। ➢ हमीरपुर [यूपी] के पास यमुना के साथ संगम है	➢ बेतवा नदी की दो प्रमुख सहायक नदियाँ: हलाली और धसान नदियाँ हैं।	➢ इसे मध्य प्रदेश की वेत्रवती और गंगा के नाम से भी जाना जाता है (उच्च प्रदूषण के कारण)। ➢ इसे बुन्देलखण्ड की जीवन रेखा भी कहा जाता है ➢ यह मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच की सीमा को चिह्नित करता है। ➢ **परियोजना:** 1. माता टीला बांध 2. केन बेतवा लिंक परियोजना

ताप्ती नदी

लम्बाई	उद्गम/समाप्ति स्थल	सहायक नदियाँ	तथ्य
➢ लंबाई 740 किमी	➢ इसका उद्गम मुलताई [बैतूल], मध्य प्रदेश से होता है ➢ जिले: बैतूल, खंडवा ➢ बुरहानपुर प्रमुख शहर है ➢ यह गुजरात में खंभात की खाड़ी में गिरती है	➢ सहायक नदियाँ: पूर्णा, भादुर, गिरना, बोरी, शिवा ➢ इसकी मुख्य सहायक नदी पूर्णा [पश्चिमी तट] है	➢ यह सूर्य की पुत्री (सूर्यपुत्री) के रूप में भी जानी जाती हैं ➢ यह नर्मदा के समानांतर बहती हुई पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है।

सोन नदी

लंबाई	उद्गम/समाप्ति स्थल	सहायक नदियाँ	तथ्य
➢ 784 किमी लंबी सोन नदी भारत की सबसे लंबी नदियों में से एक है	➢ इसका उद्गम अमरकंटक [अनूपुर जिला] में नर्मदा नदी के उद्गम स्थल के निकट है	➢ बायीं तरफ से : घाघरा नदी, जोहिला नदी, छोटी महानदी नदी	➢ इसे स्वर्णा, सोनभद्र या सुभागधि, हिरण्यबाहु भी कहा जाता है ➢ सोन नदी मध्य प्रदेश और बिहार में बहती है।

	➢ जिले शहडोल, उमरिया, सीधी, रीवा, सिंगरौली ➢ इसका संगम बिहार में दानापुर के निकट गंगा नदी से होता है	➢ दाए तरफ से : गोपद नदी, रिहंद नदी, कनहर नदी, उत्तरी कोयल नदी। ➢ जोहिला इसकी प्रमुख सहायक नदी है	➢ परियोजनाएं: बाणसागर बांध देवलौंद [शहडोल जिला] (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार की संयुक्त परियोजना) में बनाया गया है

तवा नदी

लंबाई	उत्पत्ति/अंत	सहायक नदियाँ	तथ्य
➢ तवा नर्मदा की सबसे लंबी सहायक नदी है	➢ इसका उद्गम महादेव पर्वत [पचमढ़ी] में कालीभीत पहाड़ियों से होता है। ➢ यह होशंगाबाद जिले में नर्मदा से मिलती है ।	मालिनी, देनवा सुखतवा	➢ मध्य प्रदेश का सबसे लंबा बांध होशंगाबाद में तवा पर स्थित है ➢ शहर: तवानगर, पचमढ़ी ➢ मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी तवा नदी पर स्थित है

अन्य नदियाँ

1. **क्षिप्रा नदी (चम्बल की सहायक नदी)**
   - **लंबाई:** 195 किमी
   - यह **काकरा बर्डी हिल्स [इंदौर]** से **निकलती है** और **चंबल नदी** से **संगम करती है**
   - **इसके तट पर उज्जैन (महाकालेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध) स्थित है**
   - **खान नदी इसकी सहायक नदी है।**
   - **जिले** इंदौर,उज्जैन,रतलाम,मंदसौर
   - मालवा की गंगा.
2. **कालीसिंध नदी (चम्बल की सहायक नदी)**
   - **लंबाई: 150 किमी.**
   - इसका उद्गम बागली गांव (देवास) से होता है और राजस्थान में चंबल नदी से संगम होता है
   - **मध्य प्रदेश में यह देवास, शाजापुर और नरसिंहगढ़ जिले से होकर बहती है**
   - **शहर:** देवास , सोनकच्छ
3. **पार्वती नदी (चम्बल की सहायक नदी)**
   - इसका उद्गम सीहोर जिले से होता है और चंबल नदी में संगम होता है।
   - शहर: शाजापुर, राजगढ़, आस्टा
4. **वैनगंगा नदी**
   (गोदावरी की सहायक नदी)
   - लंबाई: 570 किमी
   - उद्गम स्थल: सिवनी [परसवाड़ा पठार में मुंडारा में महादेव पहाड़ियाँ]
   - महाराष्ट्र में वर्धा नदी में गिरती है
   - मध्य प्रदेश में यह सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा जिलों से होकर बहती है
   - वैनगंगा और वर्धा के संगम को प्राणहिता [महाराष्ट्र] नाम दिया गया है जो अंततः गोदावरी में विलीन हो जाती है।
5. **केन नदी (यमुना की सहायक नदी)**
   - **लंबाई:** 427 किलोमीटर (मध्य प्रदेश में 292 किलोमीटर)
   - **सहायक नदिया** – कोपरा वयामा और विरयाना
   - **उद्गम स्थल:** कटनी विंध्याचल
   - **यमुना नदी** से **संगम .**
   - इसका **पुराना नाम दीर्नावती** है ।
   - यह पांडव जलप्रपात (पन्ना के निकट) का निर्माण करती है
6. **सिंध नदी (यमुना की सहायक नदी)**
   - **लंबाई:** 470 किमी
   - इसका उद्गम सिरोंज [विदिशा जिला] से होता है।

- **सहायक नदी** – बाएँ तरफ से - खदान , दाएँ तरफ से - पहुज
- यूपी में **यमुना** में मिल जाती हैं
- **जिले:** यह मध्य प्रदेश में गुना, शिवपुरी, भिंड और दतिया जिलों से होकर बहती है।
- **मड़ीखेड़ा बांध** शिवपुरी जिले में है

7. **टोंस नदी (गंगा की सहायक नदी)**
   - इसका **उद्गम कैमूर पहाड़ी** [सतना जिला] से होता है
   - **यूपी में गंगा नदी** के साथ **संगम करती हैं**
8. **वर्धा नदी (वेनगंगा की सहायक नदी)**
   - **लंबाई:** 528 किमी
   - इसका **उद्गम मुलताई तहसील** [बैतूल जिला] में **वर्धन शिखर** से होता है।
   - इसका **संगम** महाराष्ट्र में **वैनगंगा** से होता है
9. **छोटी तवा**
   - यह **सुक्ता और अवाना** नामक **दो छोटी नदियों से बनी है।**
   - इसकी उपस्थिति बुरहानपुर जिले में है
10. **कुवारी (सिंध की सहायक नदी)**
    - लंबाई 37 किमी
    - उद्गम स्थल : शिवपुरी पठार
    - भिंड में सिंध में मिल जाती है
    - शहर: शिवपुरी
    - कुनो (चम्बल की सहायक नदी)
    - लंबाई: 180 किमी
    - शिवपुरी पठार से निकलती है
    - चम्बल नदी में मिलती है।
11. **गार:** सिवनी के लखनादौन क्षेत्र से निकलकर नर्मदा में मिलती है।
12. **कुंडा** : सतपुड़ा पर्वतमाला से निकलकर नर्मदा में मिलती है।
13. **सातक** : खरगोन जिले से निकलकर नर्मदा में मिलती है।
14. **सिवना:** इसके तट पर स्थित मुख्य शहर मंदसौर है।
15. **बिछिया:** इसके तट पर स्थित मुख्य नगर रीवा है।
16. **खान:** इस के तट पर मुख्य शहर इंदौर है।
17. **माही**
    - **लंबाई:** 583 किमी
    - उद्गम स्थल विंध्य (धार जिला) फिर झाबुआ से प्रवाहित होता है
    - यह नदी पूर्व से पश्चिम की और बहती हैं।
    - **खंभात की खाड़ी** में **समाप्त हो जाती हैं**
    - इसके तट पर **मुख्य नगर सरदारपुर है**
    - माही नदी तीन राज्य मध्य प्रदेश राजस्थान गुजरात राज्यों मैं बहती हैं और इसका अपवाह क्षेत्र 34,842 वर्ग किलोमीटर है।
18. **स्वणरिखा** : इसके तट पर **मुख्य शहर ग्वालियर है**

मध्यप्रदेश में जलप्रपात

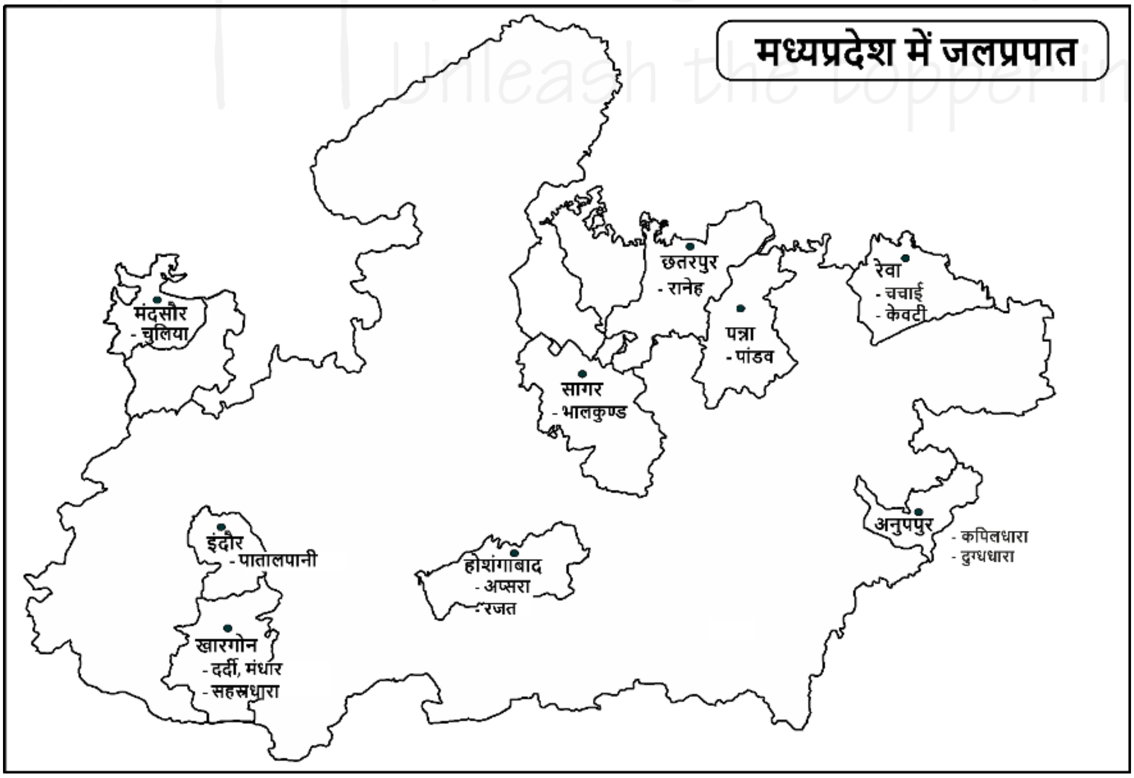

झरना	नदी	स्थान	ऊंचाई
कपिलधारा, दुग्धधारा	नर्मदा	अनुपपुर	
सहस्त्रधारा	नर्मदा	महेश्वर	8 मी
भेड़ाघाट / धुआंधार	नर्मदा	जबलपुर	18 मी
मंधार	नर्मदा	खंडवा	
दर्दी	नर्मदा	बड़वाह	
सतधारा, भीमकुंड, अर्जुनकुंड	नर्मदा	नरसिंहपुर	
चूलिया	चंबल	मन्दसौर	यह राजस्थान का सबसे ऊंचा जलप्रपात हैं।
झड़ी दाहा	चंबल	इंदौर	
पातालपानी	चंबल	इंदौर	
धाराखोह, सुल्तानगढ़, पावा	सिंध	शिवपुरी	
राहतगढ़	बेतवा	सागर	
पाण्डव	केन	परमा	
चचाई	तमसा	रीवा	130 मी
बहुती (म.प्र. का सबसे ऊँचा जलप्रपात)	बीहड़	रीवा	198 मी
गांगुलपारा	वैनगंगा	बालाघाट	
केवटी	महाना	रीवा	
शंकर खो	जामनेर	खवानी	
लिलाही, अनहोनी, कुकरी खापा	कन्हान	छिंदवाड़ा	
मालधर	देवनदी	बालाघाट	
काकरा खोह	मांडू	मेहदीखेड़ी	
पूर्वा	तमसा (टन)	रीवा	
मधुमक्खी	—	पचमढ़ी	
रानी, अप्सरा, जमुना , रजत)	—	पचमढ़ी	
भालकुंड या राहतगढ़	—	सागर	

तथ्यात्मक निष्कर्ष

- भारत में सबसे अधिक नदियाँ मध्य प्रदेश में बहती हैं
- मध्य प्रदेश को "नदियों का मायका" भी कहा जाता है ।
- मध्य प्रदेश की 5 सबसे लंबी नदियाँ: नर्मदा, चंबल, सोन, ताप्ती और बेतवा हैं।
- **अमरकंटक से 3 किमी** की दूरी पर 3 नदियाँ निकलती हैं -नर्मदा, सोन और जोहिला ।
- मध्य प्रदेश का सबसे लंबा बांध होशंगाबाद जिले (1322 मीटर) में तवा नदी पर है ।
- वर्धा और वैनगंगा नदियों का संगम स्थल 'प्राणहिता' के नाम से जाना जाता है।
- मध्य प्रदेश की पहली जल विद्युत परियोजना मंदसौर में चंबल नदी पर गांधी सागर बांध है ।

मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं नदी घाटी परियोजनाएं

- मध्य प्रदेश जल संसाधन विभाग का गठन 1956 में हुआ।
- मध्य प्रदेश में सिंचाई निगम का गठन 1976 में हुआ था।
- मध्य प्रदेश की पहली बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना चम्बल परियोजना जो 1953-54 में प्रारम्भ हुई ।
- पवन चक्कियों द्वारा सर्वाधिक सिंचाई इंदौर में की जाती है।
- **कुएं:** वे मध्य प्रदेश में सिंचाई का मुख्य स्रोत हैं, जो सिंचित क्षेत्र का 67% [लगभग] है, विशेष रूप से मालवा पठार और उत्तरी जिलों में कुओं के माध्यम से सबसे अधिक सिंचित जिला मंदसौर है।
- **नहरें:** मध्य प्रदेश के 16.8% सिंचित क्षेत्र को कवर करता है और इसका उपयोग ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, टीकमगढ़, छतरपुर में किया जाता है, नहरों के माध्यम से सबसे अधिक सिंचित जिला होशंगाबाद है।

Toppersnotes Unleash the topper in you

- मध्य प्रदेश में नहर प्रणाली कुल सिंचित क्षेत्र का 17.92% योगदान देती है जो कि 2766.8 हजार हेक्टेयर क्षेत्र है।
- **तालाब**: यह मध्य प्रदेश की कुल सिंचाई का 3.2 % कवर करता है और मुख्य रूप से बालाघाट और सिवनी जिलों में उपयोग किया जाता है। तालाबों के माध्यम से सबसे अधिक सिंचित जिला मंडला है।
- **अच्छी सिंचाई सुविधा वाले जिले:** दतिया, होशंगाबाद, ग्वालियर, मुरैना आदि
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक सिंचित जिला - ग्वालियर।
- **खराब सिंचाई सुविधाओं वाले जिले:** डिंडोरी, अनुपुर, मंडला, शहडोल, आदि।

मप्र में नदी परियोजना

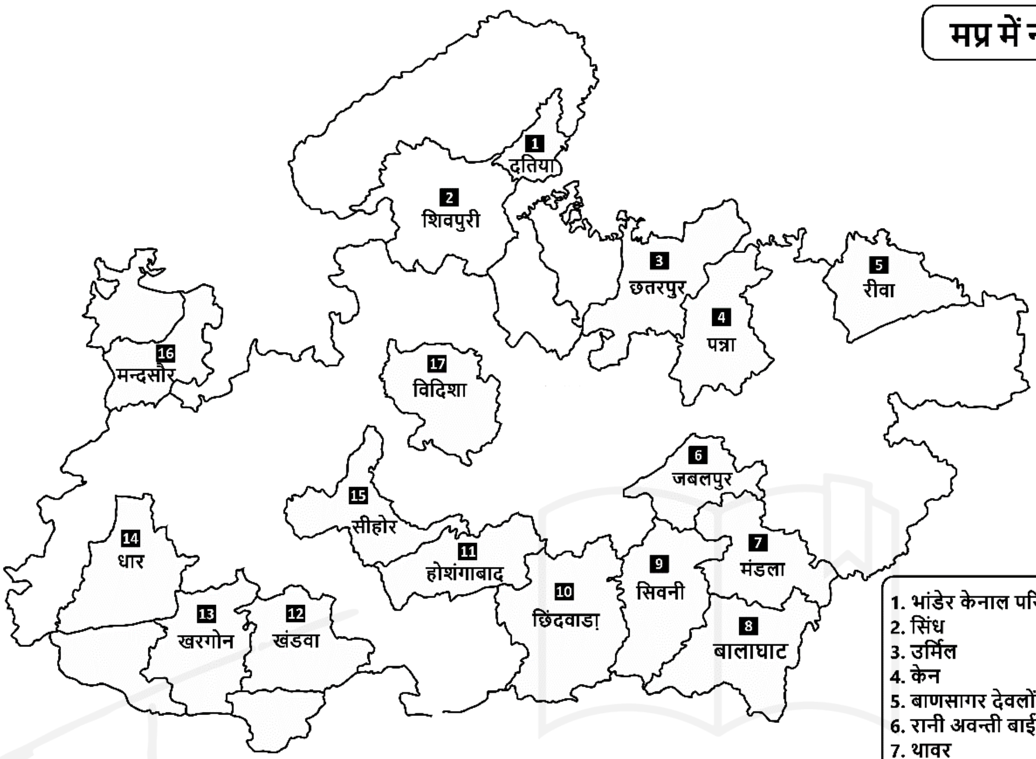

प्रमुख सिंचाई एवं नदी घाटी परियोजनाएं

चम्बल नदी घाटी परियोजना

यह **मध्य प्रदेश और राजस्थान** का **संयुक्त प्रोजेक्ट है**

- इसकी शुरुआत 1954 में हुई थी और यह 3 चरणों में पूरा हुआ
- **कुल चार बांध**
  - ✓ **गांधी सागर बांध (1960):** इसका निर्माण मंदसौर में चंबल घाटी परियोजना के प्रथम चरण में गांधी सागर हाइड्रो पावर स्टेशन स्थापित किया गया है इसमें 115 मेगावाट बिजली उत्पन्न होती है
  - ✓ **राणा प्रताप सागर बांध (1964):** इसका निर्माण राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में किया जा रहा है। यह 172 मेगावाट बिजली का उत्पादन करता है और इसकी जल भंडारण क्षमता 1567 मिलियन क्यूबिक मीटर है।
  - ✓ **जवाहर सागर बांध (1971):** जवाहर सागर बांध (1971): यह चंबल नदी परियोजना का अंतिम चरण था और कोटा जिले में है। यह 99 मेगावाट बिजली का उत्पादन करता है। दाहिनी तट की नहरें मध्य प्रदेश को सिंचित करती हैं।
  - ✓ **कोटा बैराज (1960):** कोटा बैराज चंबल घाटी परियोजनाओं की श्रृंखला में चौथा है, गांधी सागर, राणा प्रताप सागर और जवाहर सागर बांधों में बिजली उत्पादन के बाद छोड़ा गया पानी कोटा बैराज द्वारा राजस्थान और मध्य प्रदेश में सिंचाई के लिए नदी के बाई और दाई ओर नहरों के माध्यम से मोड़ा जाता है।
- **लाभान्वित क्षेत्र:** श्योपुर, भिंड, मुरैना, ग्वालियर, मन्दसौर

नर्मदा परियोजना

- यह एक बहुउद्देशीय परियोजना है जिसमें कुल 29 बड़ी 135 मध्यम और 3000 छोटी परियोजनाएं हैं।

- इससे 27.55 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और 3000 मेगावाट बिजली पैदा होती है।
- इंदिरा सागर परियोजना पुनासा [खंडवा] में है
- सरदार सरोवर परियोजना भरूच गुजरात में है।
- ओंकारेश्वर विद्युत परियोजना और महेश्वर जलाशय भी सिंचाई और बिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- नर्मदा में अन्य बड़ी परियोजनाएं ऊपरी नर्मदा परियोजना, हलोन परियोजना ,निचली गोई हैं
- नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण ने मध्य प्रदेश को अधिकतम हिस्सा (65%) आवंटित किया गया हैं।
- सिंचाई: इसका लक्ष्य 2600 मेगावाट बिजली पैदा करना और 27.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र के लिए सिंचाई सुविधा सुनिश्चित करना है।
- लाभान्वित क्षेत्र: नर्मदा के उत्थान और पतन से सभी जिले
  - ✓ इसके अलावा, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान

सम्राट अशोक सागर परियोजना

- इसे **हलाली परियोजना** भी कहा जाता है क्योंकि यह रायसेन और विदिशा जिलों में हलाली नदी पर आधारित है
- इसकी सिंचाई क्षमता 37000 हेक्टेयर है
- इसके नीचे 945 मीटर लंबा और 29 मीटर ऊंचा बांध बनाया गया है।

रानी अवंती बाई सागर परियोजना

- इसे **बरगी परियोजना** के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह बरगी नदी [नर्मदा की एक सहायक नदी] पर आधारित है।
- यह जबलपुर जिले में स्थित है लेकिन इसका लाभ मंडला, सिवनी और नरसिंहपुर जिलों को भी मिलता है
- यह 1.50 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई प्रदान कर सकता है।

तवा नदी परियोजना

- यह मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित है और मध्य प्रदेश का सबसे लंबा बांध है
- इसकी सिंचाई क्षमता 3.3 लाख हेक्टेयर है ।

बाणसागर परियोजना

- यह **मध्य प्रदेश, यूपी और बिहार का संयुक्त प्रोजेक्ट** है।
- बिजली उत्पादन 405 मेगावाट है और इसे मध्य प्रदेश: यूपी: बिहार द्वारा क्रमशः 50:25:25 के अनुपात में साझा किया जाता है।
- इसका लाभ मध्य प्रदेश के रीवा, सीधी और शहडोल जिलों को मिलता है।
- यह 120 मीटर लंबा बांध रीवा से 50 किलोमीटर दूर देवलोंद के पास सोन नदी पर बनाया गया है।
- 1.53 लाख की सिंचाई सुविधा।

रानी लक्ष्मीबाई परियोजना

- बाई बांध ललितपुर जिले में बेतवा नदी पर स्थित है ।
- यह मध्य प्रदेश और यूपी सरकार की एक अंतरराज्यीय बांध परियोजना है ।
- इसका निर्माण 1958 में शुरू हुआ था और इसकी ऊंचाई 46 मीटर है ।
- पहले इसे **राजघाट बांध** के नाम से भी जाना जाता था।

बेतवा परियोजना

- इसे **माता टीला परियोजना** भी कहा जाता है
- यह मध्य प्रदेश और यूपी कि संयुक्त परियोजना है।
- इससे मध्य प्रदेश के 6 जिलों की 1.16 हेक्टेयर भूमि सिंचित होकर लाभान्वित होगी।

पेंच परियोजना

- यह मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र का संयुक्त प्रोजेक्ट है
- छिंदवाड़ा जिले में पेंच नदी पर निर्मित हैं
- इससे बालाघाट और छिंदवाड़ा जिले की 63,300 हेक्टेयर भूमि सिंचित होकर लाभान्वित होगी।

राजघाट परियोजना

- यह मध्य प्रदेश और यूपी की संयुक्त परियोजना है।
- यह ललितपुर, झाँसी [यूपी] के पास बेतवा नदी पर निर्मित हैं
- यह 34000 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई प्रदान करता है।

माही परियोजना

- यह परियोजना माही नदी पर बनी है जिससे 12770 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी ।
- धार एवं झाबुआ जिले पर 2 बांध निर्मित हैं

बावनथड़ी परियोजना

- यह मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र की संयुक्त परियोजना है
- यह बालाघाट जिले में बनाया गया हैं
- इससे मध्य प्रदेश में 18600 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी

नदी जोड़ो परियोजना

1. **नर्मदा-क्षिप्रा लिंक परियोजना**
   - ✓ यह **राज्य की पहली नदी जोड़ो परियोजना** हैं
   - ✓ यह 29 नवंबर 2012 को लॉन्च किया गया था ।
   - ✓ इस परियोजना के तहत ओंकारेश्वर बांध से पानी क्षिप्रा नदी में छोड़ा जा रहा है
   - ✓ लाभान्वित क्षेत्र: इससे देवास, उज्जैन, शाजापुर और इंदौर जिलों के खेतों की सिंचाई होगी ।